

नवजागरण काल/युग पुं. (तत्.) 1. यूरोप का नवजागरण काल, ईसवी. की चौदहवीं से सोलहवीं शताब्दी का काल 2. भारत का नवजागरण काल, अठारहवीं उन्नीसवीं शताब्दी, इस काल में राजा राम मोहन राय, दयानंद सरस्वती, रामकृष्ण परमहंस आदि समाज सुधारक हुए।

नवजात वि. (तत्.) अभी-अभी उत्पन्न, तुरंत पैदा हुआ, जो कुछ समय पूर्व ही पैदा हुआ हो या अस्तित्व में आया हो।

नवजीवन पुं. (तत्.) 1. नया जीवन 2. नया जन्म (दुर्घटना, बीमारी आदि से बच जाना) 3. जीवन में अप्रत्याशित परिवर्तन जिससे जीवन की धारा बदल जाए।

नवज्वर पुं. (तत्.) ज्वर, चढ़ता बुखार जो अभी शुरू हुआ हो।

नवडार्विनवाद पुं. (तत्.) डार्विन के बाद के वैज्ञानिकों का विकास का सिद्धांत जिसके अनुसार विकास में प्राकृतिक चरण ही अधिक प्रभावी होता है न कि वंशानुगति।

नवंत पुं. (तत्.) 1. हाथी की चित्रकारी की गई झूल 2. कंबल 3. रेशमी कपड़ा 4. आवरण, परदा।

नवनत पुं. (तत्.) विश्वामित्र के एक पुत्र का नाम।

नवता पुं. (तत्.) ढलुई जमीन, उतार वि. नवीन, नया, ताजा स्त्री. नवीनता, नयापन, ताजगी।

नवतारा पुं. (तत्.) खगो. ऐसा तारा जिसकी चमक अकस्मात् बहुत अधिक हो जाती है और धीरे धीरे क्रमशः पूर्वस्थिति में आ जाती है (वस्तुतः यह नया तारा नहीं होता है)।

नवति वि. (तत्.) अस्सी और दस या सौ से एक कम यानी 90 की संख्या, नब्बे।

नवदंड पुं. (तत्.) राजाओं के तीन प्रकार के छत्रों में से एक का नाम।

नवदल पुं. (तत्.) 1. कमल का केसर के पास वाला पत्ता 2. नया पत्ता 3. नया राजनीतिक दल 4. नौ पत्तों या पंखुड़ियों वाला।

नवदश वि./स्त्री. (तत्.) उन्नीस, जिसे अंकों में 19 लिखा जाता है।

नवदीधिति पुं. (तत्.) मंगल ग्रह।

नवदुर्गा स्त्री. (तत्.) नवरात्रि में पूजी जाने वाली नौ दुर्गाएँ, नवरात्रों में पूजी जाने वाली दुर्गा के नौ रूप शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंद माता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी तथा सिद्धिदात्री।

नवद्वार पुं. (तत्.) शरीर में स्थित नौ द्वार या छिद्र- दो नेत्र, दो कान, दो नाक, मुख, मल और मूत्र के द्वार।

नवद्वीप पुं. (तत्.) बंगाल का एक प्रसिद्ध नगर और न्याय शास्त्र के लिए प्रसिद्ध विद्यापीठ जो राजा लक्ष्मण सेन की राजधानी थी, यह नौ गांवों का समूह था।

नवधा क्रि.वि. (तत्.) नौ प्रकारों से जैसे- नवधा भक्ति- नौ प्रकारों से की जाने वाली भक्ति- श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पाद सेवन, अर्चन, वंदन, दास्य, सख्य और आत्मनिवेदन।

नवधा अंग पुं. (तत्.) शरीर के नौ अंग- आँख, कान, हाथ, पैर, और नाक।

नवधातु स्त्री. (तत्.) नौ धातुएँ।

नवधा भक्ति स्त्री. (तत्.) नौ प्रकार की भक्ति।

नवधा भूमि स्त्री. (तत्.) नौ प्रकार की भूमि।

नवना अ.क्रि. (तत्.) 1. झुकना 2. नम्र होना।

नवनि स्त्री. (देश.) झुकने की क्रिया या भाव 2. नम्रता, दीनता आदि।

नवनिधि स्त्री. (तत्.) पुराणोक्त कुबेर की नौ निधियाँ- पद्म, महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकंद, कुंद, नील और खर्व।